इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 15 अगस्त 2024
वर्ष 16 अंक 339 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

किसी को माफ़ करना कमजोरी नहीं वरन सामर्थ्यवान ही ऐसा कर सकता है।
-महात्मा गाँधी

तापमान - अधिकतम 34.0°C (+1.1) न्यूनतम 26.1°C(+0.6) सेंसेक्स 79,105.88 (+149.85) निफ्टी 24,143.75 (+004.75) सोना 71,660 चांदी 83,000 मुद्रा - डालर 83.95 दिरहम 22.86 रियाल 22.38

एरा यूनिवर्सिटी ने मनाया हर घर तिरंगा का जश्न

लखनऊ (सं)। एरा यूनिवर्सिटी को भारत सरकार की हर घर तिरंगा पहल में अपनी पूर्ण भागीदारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के नीचे एकजुट करना और भारत की समृद्ध विरासत व स्वतंत्रता का जश्न मनाना है।

इस उत्सव की शुरुआत बुधवार को एरा मेडिकल कॉलेज परिसर से कुलपति प्रो. डॉ. अब्बास अली महदी और प्रो. वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) फरजाना महदी के नेतृत्व में एक रैली मार्च के साथ हुई। इस रैली को मेडिसिन संकाय के डीन एमेरिटस डॉ. एम.एम.ए. फरीदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने हर घर तिरंगा पहल के महत्व और युवाओं में देशभक्ति, नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. फरीदी ने अपने संबोधन ने सभी को स्वतंत्रता की विरासत को आगे बढ़ाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। रैली की अगुवाई एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ (प्रो.) जमाल मसूद ने की। रैली में पूर्व सैनिकों, सुरक्षा गार्डों, संकाय सदस्यों, वरिष्ठ रेजीडेंट, जूनियर रेजीडेंट, एमबीबीएस छात्रों, नर्सिंग छात्रों, कर्मचारियों, आया/वार्ड ब्वाय ने भाग लिया। समारोह के अन्य आकर्षण अस्पताल प्रशासन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर और सेल्फी पॉइंट थे। इस अवसर पर एरा यूनिवर्सिटी ने सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए और उन्हें अपने घरों में ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विश्वविद्यालय ने इस प्रयास को आस-पास के समुदायों तक भी पहुंचाया, जिससे हर घर तिरंगा मिशन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई। एरा यूनिवर्सिटी का दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री द्वारा की गई यह पहल हर घर तिरंगा भारत के नागरिकों के रूप में सामूहिक पहचान और जिम्मेदारी का एक शक्तिशाली अनुस्मारक है। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों और समुदाय के बीच अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति गर्व, एकता और सम्मान की भावना पैदा करना है।